

सामान्य हिन्दी

कक्षा-12

पूर्णांक-100

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2020-21 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु

2-कन्हैया लाल मिश्र "प्रभाकर" राबर्ट नर्सिंग होम में

5-हरिशंकर परसाई निंदा रस

काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु

2-मैथिलीशरण गुप्त -गीत

3-जयशंकर प्रसाद -गीत,

4-सुमित्रा नन्दन पंत -परिवर्तन

6-रामधारी सिंह "दिनकर" .पुरूरवा, उर्वशी

कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु

3-शिवानी .लाटी

संस्कृत हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु-1-भौजस्योदार्यम्

संस्कृत व्याकरण-संज्ञा- राजन् , जगत् , सरित् ।

सर्वनाम-सर्व इदम्, यद् ।

काव्य सौन्दर्य के तत्व- भ्रान्तिमान एवं संदेह

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

कक्षा-12 विषय- सामान्य हिन्दी

पूर्णांक 100

खण्ड-क (अंक-50)

1-हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास (गद्य की पाठ्य पुस्तक में दिये गये पाठों पर आधारित विभिन्न कालों के युग प्रवर्तक लेखक एवं उनकी रचनाएं)। (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) 1X5=5

2-हिन्दी काव्य साहित्य का विकास (विभिन्न कालों के प्रमुख कवि और उनकी कृतियों पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न) 1X5=5 अंक

3-पाठ्यक्रम में निर्धारित गद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2x5=10 अंक

4-पाठ्यक्रम में निर्धारित पद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2x5=10 अंक

5 (क)-पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों का साहित्यिक परिचय एवं कृतियाँ।(शब्द सीमा अधिकतम-80) 3+2=5 अंक

(ख)-पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का साहित्यिक परिचय एवं कृतियाँ।(शब्द सीमा अधिकतम-80) 3+2=5 अंक

6-पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों का सारांश एवं उद्देश्य पर आधारित प्रश्न (शब्द सीमा अधिकतम-80) 5x1=5 अंक

7-पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्डकाव्य की कथावस्तु एवं प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण (शब्द सीमा अधिकतम-80)। 5X1=5 अंक

खण्ड-ख (अंक-50)

8(क)-पाठ्यक्रम में निर्धारित संस्कृत गद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। 2+5=7 अंक

(ख)-पाठ्यक्रम में निर्धारित संस्कृत पद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। 2+5=7 अंक

9-लोकोक्तियों एवं मुहावरों के अर्थ एवं वाक्य प्रयोग। 1+1=2 अंक

(क्रम संख्या 11 एवं 12 से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे)

10-(क)-सन्धि-(दीर्घ, गुण, यण, अयादि में से किन्हीं तीन सन्धियों से संबंधित शब्दों का सन्धि विच्छेद। 1x3=3 अंक

(ख) संस्कृत शब्दों में विभक्ति की पहचान- 1+1=2 अंक

संज्ञा- आत्मन् नामन्

11 (क)- शब्दों में सूक्ष्म अन्तर। 1+1=2 अंक

(ख) अनेकार्थी शब्द। 1+1=02 अंक

(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द(वाक्यांश) (केवल दो) 1+1=2 अंक

(घ) वाक्यों में त्रुटिमार्जन (लिंग, वचन, कारक, काल एवं वर्तनी संबंधी त्रुटियाँ) 1+1=2 अंक

12-(क)रस-श्रृंगार, करुण, हास्य, वीर एवं शान्त रस के लक्षण एवं उदाहरण 02 अंक

- (ख) अलंकार—(1) शब्दालंकार—अनुप्रास, यमक, श्लेष के लक्षण एवं उदाहरण। 1+1=2 अंक
 (2) अर्थालंकार—उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा के लक्षण एवं उदाहरण।
 (ग) छन्द—मात्रिक—चौपाई, दोहा, सोरठा, कुण्डलियां के लक्षण एवं उदाहरण। 1+1=2 अंक
 13—पत्र लेखन (निम्नलिखित में से किसी एक पर)— 2+4=6 अंक
 (1) नियुक्ति—आवेदन—पत्र
 (2) बैंक से किसी व्यवसाय के लिए ऋण प्राप्त करने का आवेदन—पत्र।
 (3) अपने नगर या गाँव की सफाई हेतु संबंधित अधिकारी को प्रार्थना—पत्र।
 14—निबन्ध (विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा, कृषि, सामाजिक एवं राजनैतिक चेतना पर आधारित जनसंख्या, स्वास्थ्य शिक्षा व पर्यावरण से सम्बन्धित)। 2+7=9 अंक

पाठ्य वस्तु—

सामान्य हिन्दी विषय के लिए निम्नलिखित पाठ्य वस्तु का अध्ययन करना होगा—

पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	पाठ का नाम
1	2	3
गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	1—बासुदेव शरण अग्रवाल	राष्ट्र का स्वरूप
	3—डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी	अशोक के फूल
	4—प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी	भाषा और आधुनिकता
काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	6—डा०ए०पी०जे०अब्दुल कलाम	तेजस्वी मन के सम्पादित अंश
	1—अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	पवन दूतिका
	2—मैथिलीशरण गुप्त	कैकेयी का अनुताप
	3—जयशंकर प्रसाद	, श्रद्धा—मनु
	4—सुमित्रा नन्दन पंत	नौका विहार, बापू के प्रति
	5—महादेवी वर्मा	गीत
	6—रामधारी सिंह "दिनकर"	अभिनव—मनुष्य
	7—सच्चिदानन्द हीरानंद वात्सायन "अज्ञेय"	मैंने आहुति बनकर देखा, हिरोशिमा
कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	1—जैनेन्द्र कुमार	ध्रुव यात्रा
	2—फणीश्वर नाथ 'रेणु'	पंचलाइट
	4—अमरकांत	बहादुर

खण्ड काव्य (सहायक पुस्तक)**खण्ड काव्य**

क्र०सं०	पुस्तक तथा लेखक	प्रकाशक	अनुदानित जिले
1	मुक्ति यज्ञ—लेखक— श्री सुमित्रा नन्दन पन्त	राधा कृष्ण प्रकाशन 2, अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली	कानपुर, जौनपुर, मुरादाबाद, फैजाबाद, एटा, ललितपुर।
2	सत्य की जीत—लेखक— श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी	ज्वाला प्रसाद विद्या सागर, 129, के०पी० कक्कड़ रोड, प्रयागराज।	लखनऊ, इटावा, बलिया, विजनौर, झांसी, बदायूँ, प्रतापगढ़, रामपुर, पीलीभीत।
3	रश्मि रथी लेखक— रामधारी सिंह "दिनकर"	उदयांचल, पटना, वितरक—लोक भारती 15—ए, महात्मा गांधी मार्ग, प्रयागराज।	वाराणसी, बुलन्दशहर, मथुरा, मुजफ्फरनगर, फतेहपुर, उन्नाव, देवरिया।
4	आलोकवृत्त लेखक— श्री गुलाब खण्डेवाल	कमल प्रकाशन, 105 मुकुन्दीगंज, प्रतापगढ़।	प्रयागराज, अलीगढ़, सहारनपुर, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, मिर्जापुर, सीतापुर।
5	त्याग पथी लेखक— श्री रामेश्वर शुक्ल "अंचल"	साहित्यकार संघ, दारागंज, प्रयागराज।	आगरा, गोरखपुर, गाजीपुर, बरेली, सुल्तानपुर, जालौन, लखीमपुर खीरी, गोण्डा, शाहजहांपुर, बाराबंकी।
6	श्रवण कुमार लेखक— शिव बालक शुक्ल	श्री गौतम बन्धु गोइन रोड, लखनऊ	मेरठ, आजमगढ़, बस्ती, रायबरेली, हरदोई, बांदा, बहराइच, हमीरपुर।

नोटः—इसके अतिरिक्त अन्य जिलों/नवसृजित जिलों में खण्ड काव्य पूर्व की भांति यथावत् पढ़ाये जायेंगे।

खण्ड-ख, संस्कृत हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु-

संस्कृत हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु-

2-आत्मज्ञः एवं सर्वज्ञः

3-संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्

4-जातक कथा

5-सुभाषित रत्नानि

6-महामना मालवीयः

7-पंचशील-सिद्धान्ताः

परिशिष्ट, व्याकरण, शब्दरूप, धातुरूप ।

कक्षा-12

संस्कृत

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2020-21 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक् विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

खण्ड-क (गद्य)

चन्द्रापीडकथा

निर्गतायां केयूरकेण सह.....आनन्दस्य अध्यगच्छन् ।

खण्ड-ख (पद्य)

रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग)

श्लोक संख्या 65-75 तक ।

खण्ड-च (व्याकरण)

कारक एवं विभक्ति- चतुर्थी विभक्ति- स्पृहेरीप्सितः, पंचमी विभक्ति- जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसंख्यानम्(वा0) ।
आख्यातोपयोगे । षष्ठी विभक्ति- क्तस्य च वर्तमाने, षष्ठी चानादरे । सप्तमी विभक्ति- साध्वसाधुप्रयोगे च(वा0)

व्यंजन सन्धि- झलां जश् झशि, तोर्लि, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः ।

विसर्ग सन्धि- अतोरोरप्लुतापप्लुते, वा शरि, रोरि, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः ।

शब्दरूप- नपुंसकलिंग- जगत्, ब्रह्मन्, धनुष ।

सर्वनाम- इदम्, अदस् ।

धातुरूप- आत्मनेपद- भाष्, विद् ।

उभयपद- चुर, श्रि, की, धा ।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

सामान्य निर्देश - संस्कृत विषय में 100 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा। प्रश्न-पत्र के प्रत्येक खण्ड में निर्धारित अंकों के अन्तर्गत दीर्घ उत्तरीय, लघु उत्तरीय, अति लघु उत्तरीय एवं बहुविकल्पीय प्रश्नों का समावेश कर कई प्रश्न पूछे जा सकते हैं। प्रश्नपत्र में प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक ही उत्तर के आकार की संक्षिप्तता या दीर्घता का द्योतक होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र के अन्तर्गत समाविष्ट पाठ्यक्रम का अंक विभाजन निम्नवत् होगा:-

खण्ड-क (गद्य)		20 अंक
चन्द्रापीडकथा -(सा तु समुत्थाय महाश्वेतां.....आगन्तव्यम्" इत्यादिश्य व्यसर्जयत् । तक)		
1.	गद्यांश के आधार पर प्रश्नोत्तर ।	10 अंक
2.	कथात्मक पात्रों का चरित्रचित्रण (हिन्दी में, अधिकतम 100 शब्द) ।	4
3.	रचनाकार का जीवनपरिचय एवं गद्यशैली (हिन्दी अथवा संस्कृत में, अधिकतम 100 शब्द) ।	4
4.	सन्दर्भित पुस्तक से सम्बन्धित वैकल्पिक प्रश्न ।	2
खण्ड-ख (पद्य)		20 अंक

रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग)- (श्लोक संख्या-41 से 64 तक)

1.	किसी श्लोक की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या ।	2+5=7
2.	किसी श्लोक की सन्दर्भसहित संस्कृत में व्याख्या ।	2+5=7
3.	कवि परिचय एवं काव्यशैली (हिन्दी अथवा संस्कृत में, अधिकतम 100 शब्द) ।	4
4.	काव्यगत तथ्यों एवं भावों पर आधारित वैकल्पिक प्रश्न ।	2

खण्ड—ग (नाटक)		20 अंक
अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः)		
1.	पाठगत नाटक के किसी गद्यांश अथवा पद्य की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या।	2+5=7
2.	पाठगत नाटक के अंशों से सूक्तिपरक पंक्ति की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या।	2+5=7
3.	नाटककार का जीवन परिचय एवं नाट्यशैली (हिन्दी अथवा संस्कृत में, अधिकतम 100 शब्द)।	4
4.	सन्दर्भित पुस्तक से सम्बन्धित वैकल्पिक प्रश्न।	2

खण्ड—घ (निबन्ध)

विभिन्न विषयों पर संस्कृत में निबन्ध (10 पंक्तियाँ)—संस्कृत साहित्य, जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा, यातायात के नियम आदि।

10 अंक

खण्ड—ङ (अलंकार)

निम्नलिखित अलंकारों की सामान्य परिभाषा (हिन्दी या संस्कृत में) अथवा उदाहरण संस्कृत में— उपमा तथा रूपक।

3 अंक

खण्ड—च (व्याकरण)

1.	अनुवाद — ऐसे हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद जहाँ उपपद विभक्तियों का प्रयोग हो।	8
2.	कारक तथा विभक्ति।	3
3.	समास।	3
4.	सन्धि।	3
5.	शब्दरूप।	3
6.	धातुरूप।	3
7.	प्रत्यय।	2
8.	वाच्य परिवर्तन।	2

निर्धारित पुस्तकें एवं पाठ्यवस्तु

खण्ड—क (गद्य)

महाकविबाणभट्टप्रणीतम् — कादम्बरीसारतत्त्वभूतम्, “चन्द्रापीडकथा” का उत्तरार्द्धभाग—सा तु समुत्थाय महाश्वेतां आगन्तव्यम्” इत्यादिश्य व्यसर्जयत्। तक।

खण्ड—ख (पद्य)

महाकविकालिदासप्रणीतम्—रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग)
श्लोक संख्या 41 से 64 तक।

खण्ड—ग (नाटक)

महाकविकालिदासप्रणीतम्—अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः) (आकाशे) रम्यान्तरः कमलिनीहरितैः इत्यादि पद्य से अंक की समाप्ति तक।

खण्ड—घ (निबन्ध)

विभिन्न विषयों पर संस्कृत में निबन्ध (10 पंक्तियाँ) (संस्कृत साहित्य, जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा, यातायात के नियम आदि विषयों पर निबन्ध)

खण्ड—ङ (अलंकार)

निम्नलिखित अलंकारों की सामान्य परिभाषा (हिन्दी या संस्कृत में) अथवा उदाहरण संस्कृत में — उपमा तथा रूपक।

खण्ड—च (व्याकरण)

1. **अनुवाद –**
ऐसे हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद जहाँ उपपद विभक्तियों का प्रयोग हो।
2. **कारक तथा विभक्ति –**
निम्नलिखित सूत्रों तथा वार्तिकों के आधार पर कारकों तथा विभक्तियों का ज्ञान –
 - (क) **चतुर्थी विभक्ति (सम्प्रदान कारक) ।**
 - (1) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् ।
 - (2) चतुर्थी सम्प्रदाने ।
 - (3) रूच्यर्थानां प्रीयमाणः ।
 - (4) क्रुद्द्दुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः ।
 - (5) नमः स्वस्तिस्वाहास्वधाऽलं वषड्योगाच्च ।
 - (ख) **पंचमी विभक्ति (अपादान कारक)**
 - (1) ध्रुवमापायेऽपादानम् ।
 - (2) अपादाने पंचमी ।
 - (3) भीत्रार्थानां भयहेतुः ।
 - (ग) **षष्ठी विभक्ति (सम्बन्ध कारक)**
 - (1) षष्ठी शेषे ।
 - (2) षष्ठी हेतुप्रयोगे ।
 - (घ) **सप्तमी विभक्ति (अधिकरण कारक)**
 - (1) आधारोऽधिकरणम् ।
 - (2) सप्तम्यधिकरणे च ।
 - (3) यतश्च निर्धारणम् ।
3. **समास –**
निम्नांकित समासों की परिभाषा अथवा संस्कृत में विग्रहसहित समास का नाम।
 - (1) द्वन्द्वः, (2) अव्ययीभावः, (3) द्विगुः ।
4. **सन्धि—सन्धि, सन्धिविच्छेद, नामोल्लेख तथा नियम ज्ञान।**
निम्नलिखित सूत्रों के अनुसार संधियों का उदाहरणसहित ज्ञान।
 - (क) **व्यंजन सन्धि या हल् सन्धि—** (1) स्तोः श्चुना श्चुः, (2) ष्टुना ष्टुः, (3) झलां जशोऽन्ते, (4) खरि च, (5) मोऽनुस्वारः,
 - (ख) **विसर्ग सन्धि—** (1) विसर्जनीयस्य सः, (2) ससजुषो रुः, (3) हशि च, (4) खरवसानयोर्विसर्जनीयः,
5. **शब्दरूप—**
 - (अ) **नपुंसकलिङ्ग –** गृह, वारि, दधि, मधु, नामन्, मनस्, ।
 - (आ) **सर्वनाम –** सर्व, तद्, यद्, किम्, युष्मद्, अस्मद्, एतत्, भवत् ।
 - (इ) 01 से 100 तक संख्यावाचक शब्द तथा कति के रूप ।
6. **धातुरूप—** निम्नलिखित धातुओं के लट्, लङ्, लोट्, विधिलिङ्ग एवं लृट् लकार में रूप।
 - (अ) **आत्मनेपद्—** लभ्, वृध्, शी, सेव् ।
 - (आ) **उभयपद्—** नी, याच्, दा, ग्रह्, ज्ञा, ।
7. **प्रत्यय—** ल्युट्, ष्वुल्, अनीयर्, टाप्, डीष्, तुमुन्, क्त्वा ।
8. **वाच्यपरिवर्तन—** वाक्यों में कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य पदों का वाच्यपरिवर्तन ।

कक्षा-12 अंग्रेजी

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2020-21 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

1.A-English Prose

3. The secret of health, success and power
5. I am John's heart.

B- English poetry.

4. From "An Elegy Written in a Country Churchyard".
6. La belle dame sans merci
9. Stopping by Woods on a snowy Evening.

C-Short story.

4. The Special Experience

D- The Merchant of Venice (whole play).

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

कक्षा-12 अंग्रेजी

इस विषय में 100 अंको का एक प्रश्नपत्र होगा। प्रश्न पत्र तीन घण्टे का होगा।

Section-A

50 अंक

1-Prose-

19 अंक

- (a) Explanation with reference to the context (one passage). 10
- (b) One short answer type question (not to exceed 30 words) 5
- (c) Vocabulary (based on text) ----- 4x1=4

2- Poetry-

17 अंक

- (a) Explanation with reference to the context (one extract). 10
- (b) Central idea of any one poem 7

3-Short Stories-

10अंक

Two short answer type questions (answer not to exceed 30 words each) 5+5=10

4-Figures of speech-

4 अंक

Definition of any one of the following with two examples

(Simile, Metaphor, Personification, Apostrophe, Oxymoron, Onomatopoeia, Hyperbole)

2+2=4

Section-B

50 अंक

5-General English Grammar-

8 अंक

- (a) Direct-Indirect Narration(out of two anyone) 2
- (b) Synthesis (out of two anyone) 2

- (c) Transformation (out of two anyone) 2
 (d) Syntax (out of four any two) 1+1=2

6- Vocabulary: 14 अंक

- (a) Synonyms 3x1=3
 (b) Antonyms 3x1=3
 (c) Homophones 1+1=2
 (d) One word substitution 3x1=3
 (e) Idioms and Phrases 3x1=3

7. Translation-

- (a) Hindi to English ----- 10 अंक

अथवा

किसी संक्षिप्त पद्यांश का सारांश, किसी गद्यांश का संक्षिप्त विवरण,

अथवा

1500 ई० के बाद के अंग्रेजी साहित्य (वेल एण्ड कम्पनी द्वारा प्रकाशित, हडसन द्वारा संपादित ऐन आउट लाइन हिन्दी ऑफ इंग्लिश लिटरेचर के अनुसार) पर आधारित प्रश्न-----

8. Essay writing----- 12 अंक

9. Unseen Passage----- 3X2=6 अंक

नोट-जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा तथा ट्राफिक रूल्स की जानकारी हेतु निबंध के रूप में प्रश्न पूछे जायेंगे।

निर्धारित पाठ्य वस्तु-

अंग्रेजी विषय के लिये निम्नांकित पाठ्य-वस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश) का अध्ययन करना होगा-

पुस्तक का नाम	पाठ	लेखक का नाम
1	2	3
1.A-English Prose	1. A Girl with a Basket	: William C. Douglas
	2. A Fellow-Traveller	: A.G. Gardiner
	3. The Home coming	: R.N. Tagore
	4. Women's education	: Dr.S. Radhakrishnan
	5. Heritage of India	: A.L. Basham
B- English poetry	1. Character of a Happy Life	: Sir Henry Wotton
	2. The True Beauty	: Thomas Carew
	3. On His Blindness	: John Milton
		:
	4. A Lament	: P.B. Shelley
	5. From the Passing of Arthur	: Alfred Tennyson
	6. My Heaven	: R N Tagore

C- English Short Stories	7. The song of the Free	: Swami Vivekanand
	1. The Gold Watch	: Ponjikkara Raphy
	2. An Astrologer's Day	: R. K. Narayan
	3. The Lost Child	: Mulk Raj Anand

2- Intermediate General English The above prescribed syllabus

इतिहास कक्षा-12

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2020-21 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

भाग-2 विषय-5 यात्रियों के नजरिये।

यात्रियों के विवरण के आधार पर मध्यकालीन समाज-

सिंहावलोकन - (1) यात्रियों के विवरण के आधार पर सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की रूपरेखा।

लेखन की कहानी- उनका यात्रा विवरण- कहाँ की यात्रा की, क्यों की, क्या लिखा, किसके बारे में लिखा

उद्धरण - अलबरूनी, इब्नबतूता, बर्नियर से।

विचार विमर्श- उनके यात्रा विवरण क्या बता रहे हैं और किस प्रकार इतिहासकारों ने उसे व्याख्यायित किया है।

विषय-8 किसान जमींदार और राज्य।

कृषि सम्बन्ध - आईन-ए-अकबरी के परिप्रेक्ष्य में।

सिंहावलोकन - (1) सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दी में कृषि सम्बन्धी संरचना।

(2) कृषि में तत्कालीन परिवर्तन का ढाँचा।

खोज की कहानी- आईन-ए-अकबरी का संकलन तथा अनुवाद सम्बन्धी विवरण।

उद्धरण - आईन-ए-अकबरी से

विचार विमर्श- इतिहासकारों ने इतिहास के पुनर्निर्माण में आईन- ए-अकबरी का किस प्रकार प्रयोग किया।

भाग-3 विषय-12 उपनिवेशवाद और भारतीय नगर- नगर नियोजन और म्यूनिसिपल रिपोर्ट।

सिंहावलोकन - 18वीं, 19वीं शताब्दी में मुम्बई, चेन्नई, पहाड़ी क्षेत्रों और कैंटोन्मेन्ट का विकास।

उद्धरण - छायाचित्र और चित्रकारी, शहरों की योजना, नगर योजना प्रतिवेदनों का सार। कोलकाता नगर- नियोजन को केन्द्र में रखकर।

विचार विमर्श- किस तरह से उपर्युक्त स्रोत नगरों के इतिहास के पुनर्निर्माण में प्रयोग किये गये। ये स्रोत क्या उद्घाटित नहीं करते?

विषय-14 विभाजन को समझना।

मौखिक स्रोतों के आधार पर विभाजन-

सिंहावलोकन - (1) 1940 ई0 का इतिहास

(2) राष्ट्रीयता, सम्प्रदायवाद और विभाजन।

मुख्यतः - (केन्द्रित) - पंजाब और बंगाल

उद्धरण - मौखिक साक्ष्य जिनके द्वारा विभाजन का अनुभव किया गया।

विचार विमर्श- विधियाँ जिनके द्वारा इतिहास के पुनर्निर्माण हेतु घटनाओं को विश्लेषित किया गया।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

इतिहास

कक्षा-12

प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न	10	1	10
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न	5	2	10
लघु उत्तरीय प्रश्न	6	5	30
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	3	10	30
मानचित्र	5	02	10
ऐतिहासिक घटनाक्रम	10	01	10
	प्रश्नों की संख्या-39		योग - 100

ज्ञानात्मक	—	30:
बोधात्मक	—	40:
अनुप्रयोगात्मक	—	20:
कौशलात्मक	—	10:
सरल	—	30:
सामान्य	—	50:
कठिन	—	20:

कक्षा-12 इतिहास

इसमें 100 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा।

भाग-1 भाग-1 विषय -1 ईटें मनके तथा अस्थियाँ (हड़प्पा सभ्यता) 30 अंक

प्रथम शहर की कहानी - हड़प्पा का पुरातत्व

सिंहावलोकन - प्रारम्भिक नगरीय केन्द्र

हड़प्पा सभ्यता के खोज की कहानी

उद्धरण - प्रमुख स्थानों के पुरातात्विक विवरण

विमर्श (चर्चा) - इतिहासकारों और पुरातत्ववेत्ताओं द्वारा किस प्रकार उपयोग किया गया।

विषय -2 राजा किसान और नगर

राजनीतिक और आर्थिक इतिहास- शिलालेख किस प्रकार इतिहास का निर्माण करते हैं।

सिंहावलोकन - मौर्य काल से गुप्त काल तक का राजनैतिक, आर्थिक इतिहास।

खोज की कहानी- शिलालेख और लिपि का (स्पष्टीकरण)।

अभिज्ञान ।

राजनीतिक और आर्थिक इतिहास की अवधारणा में परिवर्तन ।

उद्धरण – अशोक के शिलालेख और गुप्तकालीन भूमिदान ।

विचार विमर्श— इतिहासकारों द्वारा शिलालेख की विवेचना ।

विषय –3 बंधुत्व जाति तथा वर्ग

सामाजिक इतिहास— महाभारत के सन्दर्भ में ।

सिंहावलोकन – जाति, वर्ग, बन्धुत्व और लिंग के सन्दर्भ में सामाजिक इतिहास ।

खोज की कहानी—महाभारत के सन्दर्भ में इसका प्रवर्तन और संचरण (प्रकाशन) ।

उद्धरण – महाभारत से । इतिहासकारों द्वारा इसे किस रूप में व्याख्यायित किया गया ।

विचार विमर्श— सामाजिक इतिहास के पुनर्निर्माण के अन्य स्रोत ।

विषय –4 विचारक, विश्वास और इमारतें ।

बौद्ध धर्म का इतिहास : साँची स्तूप

सिंहावलोकन – वैदिक धर्म, जैन धर्म, वैष्णव धर्म, शैव धर्म के संक्षिप्त इतिहास का अवलोकन ।

मुख्यतः बौद्धधर्म

खोज की कहानी— बौद्ध धर्म के सन्दर्भ में साँची स्तूप के खोज की कहानी ।

उद्धरण – साँची स्तूप की शिल्पकला का पुनर्निर्माण ।

विचार विमर्श – इतिहासकारों द्वारा शिल्प—कला का प्रयोग किस प्रकार किया गया ।

बौद्ध धर्म के इतिहास के पुनर्निर्माण के अन्य स्रोत ।

विषय—6 भक्ति,सूफी, परम्परा ।

धार्मिक इतिहास— भक्ति और सूफी परम्परा ।

सिंहावलोकन – (1) धार्मिक विकास की रूपरेखा ।

(2) भक्ति और सूफी सन्तों के विचार और व्यवहार ।

संचरण (बदलाव) की कहानी— किस प्रकार भक्ति और सूफी कृतियों को संरक्षित किया गया ।

उद्धरण – चुने हुये भक्ति—सूफी रचनाओं का सार ।

विचार विमर्श— इतिहासकारों द्वारा की गयी विवेचना ।

विषय—7 एक साम्राज्य की राजधानी विजयनगर ।

नव स्थापत्य – हम्पी

सिंहावलोकन – (1) विजय नगर कालीन नई इमारतों की रूपरेखा, मन्दिर, किले एवं सिंचाई सुविधायें ।

(2) स्थापत्य और राजनीतिक व्यवस्था के बीच सम्बन्ध ।

खोज की कहानी— हम्पी की खोज किस प्रकार हुयी ।

उद्धरण – हम्पी की इमारतों का दृश्य ।

विचार विमर्श— इतिहासकारों द्वारा इन इमारतों की संरचना का विश्लेषण और विवेचना ।

विषय—9 शासक और विभिन्न इतिवृत्त ।

मुगल दरबार (साम्राज्य)— इतिवृत्तों के आधार पर इतिहास का पुनर्लेखन ।

- सिंहावलोकन – (1) पन्द्रहवीं से सत्रहवीं शताब्दी के राजनीतिक इतिहास की रूपरेखा।
 (2) मुगल दरबार और राजनीति पर विचार-विमर्श।
- खोज की कहानी— दरबारी इतिवृत्तों की रचना और उनका परवर्ती अनुवाद, प्रसार का विवरण।
- उद्धरण – अकबरनामा और पादशाहनामा।
- विचार विमर्श— इतिहासकारों द्वारा राजनैतिक इतिहास के पुनर्निर्माण में उनका उपयोग।

भाग-3

30 अंक

विषय-10 उपनिवेशवाद और देहात।

उपनिवेशवाद और ग्रामीण समाज-सरकारी प्रतिवेदनों से साक्ष्य।

- सिंहावलोकन – (1) 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में जमींदारों, किसानों और कलाकारों का जीवन वृत्तान्त।
 (2) ईस्ट इण्डिया कम्पनी, राजस्व व्यवस्था और सर्वेक्षण।
 (3) 19वीं शताब्दी में परिवर्तन।

सरकारी दस्तावेजों की कहानी— ग्रामीण समाज में सरकारी जाँच क्यों की गयी, का विवरण। विवरणों के प्रकार और प्रस्तुत प्रतिवेदन।

उद्धरण – फिरमिंगर्स का पंचम प्रतिवेदन, फ्रांसिस बुकानन-हैमिल्टन और दक्कन दंगा रिपोर्ट।

विचार विमर्श— सरकारी दस्तावेज क्या कह रहे हैं और क्या नहीं, इतिहासकारों ने किस प्रकार इसका उपयोग किया।

विषय-11 विद्रोही और राज्य।

1857 ई0 का चित्रण—

सिंहावलोकन – (1) 1857-58 की घटनायें।

(2) इन घटनाओं को किस प्रकार संरक्षित और चित्रित किया गया।

मुख्यतः – लखनऊ।

उद्धरण – 1857ई0 के चित्र, समकालीन विवरणों का उद्धरण (अंश)

विचार विमर्श— 1857ई0 के दृश्यों ने किस प्रकार अंग्रेजों के परामर्श को परिभाषित किया।

विषय-13 महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन।

समकालीन विचारकों की दृष्टि में महात्मा गाँधी।

सिंहावलोकन – (1) राष्ट्रवादी आन्दोलन 1918-48 ई0

(2) गाँधीवादी राजनीति की प्रकृति और नेतृत्व

मुख्यतः – (केन्द्रित) – 1931 ई0 में महात्मा गाँधी।

उद्धरण –अंग्रेजी और अन्य भारतीय भाषाओं के समाचार पत्रों की रिपोर्ट (आख्या)और अन्य समकालीन लेख।

विचार विमर्श— समाचार पत्र किस प्रकार ऐतिहासिक स्रोत हो सकते हैं।

विषय-15 संविधान का निर्माण—

सिंहावलोकन – (1) स्वतंत्रता और नूतन राष्ट्रीय राज्य।

(2) संविधान का निर्माण

मुख्यतः – संविधान सभा के विचार-विमर्श

उद्धरण – विचार विमर्श से।

विचार विमर्श– विचार-विमर्श से क्या निष्कर्ष निकला और उसे किस प्रकार विश्लेषित किया गया।

16. मानचित्र कार्य– 70% पाठ्यक्रम से 10 अंक
05 प्रश्न प्रत्येक 02 अंक

01 अंक सही उत्तर तथा 01 अंक सही स्थान अंकन हेतु निर्धारित है। दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं के लिये मानचित्र कार्य के स्थान पर 05 प्रश्न प्रत्येक 02 अंकों के रखे जाय।

विषय : भूगोल कक्षा—12

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2020-21 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

खण्ड-क

इकाई-4 –परिवहन,संचार एवं व्यापार

- ❖ भू-परिवहन- सड़कें, रेलमार्ग, अन्तर्महाद्वीपीय रेलमार्ग ।
- ❖ जल-परिवहन- अन्तर्देशीय जलमार्ग, प्रमुख समुद्री मार्ग ।
- ❖ वायु-परिवहन- अन्तर्महाद्वीपीय वायु मार्ग ।
- ❖ तेल तथा गैस पाइप लाइनें ।
- ❖ उपग्रह संचार तथा साइबर स्पेस- भौगोलिक सूचनाओं का महत्व तथा उपयोग ।
- ❖ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार- आधार तथा बदलते प्रतिमान; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश मार्ग के रूप में पत्तन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका ।

खण्ड-ख

इकाई-8 –संसाधन एवं विकास

- भू-संसाधन- कृषि भूमि उपयोग; भौगोलिक दशाएँ तथा मुख्य फसलों का वितरण (गेहूँ, चावल, चाय, काफी, कपास, जूट, गन्ना तथा रबड़) कृषि विकास तथा समस्याएँ ।
- उद्योग- प्रकार, औद्योगिक स्थिति (Location) के कारण; चुने हुए उद्योगों का वितरण एवं बदलती पद्धतियाँ (Changing Pattern)लोहा एवं इस्पात; सूती वस्त्र, चीनी, पेट्रोकेमिकल, ज्ञान आधारित उद्योग, की स्थिति पर उदारीकरण, निजीकरण तथा भूण्डलीकरण का प्रभाव; औद्योगिक प्रवेश ।

इकाई-9-परिवहन, संचार तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार-

- परिवहन एवं संचार- सड़कें, रेलमार्ग, जलमार्ग तथा वायुमार्ग; तेल तथा गैस पाइपलाइन; भौगोलिक सूचना एवं संचार नेटवर्क ।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार - भारत के विदेशी व्यापार के बदलते पैटर्न पत्तन तथा उनके पृष्ठ प्रदेश एवं हवाई अड्डे ।

खण्ड-ग प्रयोगात्मक कार्य

इकाई-2

क्षेत्रीय अध्ययन (Field Study) या स्थान का सूचना प्रौद्योगिकी :

किसी एक क्षेत्रीय समस्या पर सर्वेक्षण- प्रदूषण, भूमिगत जल परिवर्तन, भूमि उपयोग तथा भूमि उपयोग परिवर्तन, गरीबी, ऊर्जा संबंधी मुद्दे, मृदा क्षरण, सूखा तथा बाढ़ का प्रभाव, विद्यालयों, बाजारों तथा घरों के आस-पास सर्वेक्षण (अध्ययन के लिये कोई एक क्षेत्रीय समस्या) चुनी जा सकती है; आँकड़ों के संग्रहण हेतु निरीक्षण तथा प्रश्नावली का उपयोग किया जा सकता है, संग्रहीत आँकड़ों को चित्रों तथा मानचित्रों की सहायता से सारणीबद्ध तथा विश्लेषित किया जा सकता है) समाज की विभिन्न

समस्याओं को और गहराई से समझने के लिये छात्रों को भिन्न-भिन्न विषय दिये जा सकते हैं।

स्थानित (Spatial) सूचना प्रौद्योगिकी

भौगोलिक सूचना तन्त्र (Geographical Information System) –

साफ्टवेयर मॉड्यूल तथा हार्डवेयर आवश्यकताएँ; आँकड़ों का प्रारूप; रेखापुंज (टैंजमत) तथा सदिश्य (टममजवत), आँकड़े; आँकड़ों का प्रविष्टि; संपादन तथा आँकड़ों का विश्लेषण; ओवरले तथा बफर।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है—

विषय : भूगोल

कक्षा—12

लिखित (केवल प्रश्नपत्र) – 70 अंक प्रयोगात्मक – 30 अंक

खण्ड 'क'	मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त	35 अंक
	इकाई—1 : मानव भूगोल	30 अंक
	इकाई—2 : जनसंख्या	
	इकाई—3 : मानव क्रियाएँ	
	इकाई—5 : मानव बस्तियाँ	
	मानचित्र कार्य	05 अंक
खण्ड 'ख'	भारत : लोग एवं अर्थव्यवस्था	35 अंक
	इकाई—6 : जनसंख्या	30 अंक
	इकाई—7 : मानव बस्तियाँ	
	इकाई—8 : संसाधन एवं विकास	
	इकाई—10 : भौगोलिक परिपेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	
	मानचित्र कार्य	05 अंक
खण्ड 'ग'	प्रयोगात्मक कार्य	30 अंक
वाह्य परीक्षक	1. इकाई—1 से 4 तक पर आधारित लिखित परीक्षा	10 अंक
	2. मौखिकी निर्देश— वाह्य परीक्षक के समने प्रयोगात्मक अभ्यास पुस्तिका, चार्ट/माडल प्रस्तुत करना अनिवार्य है।	05 अंक
आंतरिक परीक्षक	1— माडल/चार्ट	5 अंक
	2— प्रयोगात्मक अभ्यास पुस्तिका एवं मौखिकी	5+5 अंक

खण्ड 'क'

इकाई-1 – मानव भूगोल

(प) मानव भूगोल : प्रकृति तथा विषय क्षेत्र

इकाई-2 – जनसंख्या-

(प) जनसंख्या-वितरण, घनत्व तथा वृद्धि

(पप) जनसंख्या परिवर्तन-स्थानिक, प्रतिमान, जनसंख्या परिवर्तन के निर्धारक तत्व

(पपप) आयु-लिंग अनुपात, ग्रामीण-शहरी संघटन

(पअ) मानव विकास-अवधारणा, चुने हुए संकेतक, अन्तर्राष्ट्रीय तुलनाएँ

इकाई-3 – मानव क्रियाएँ (विकास)

(प) प्राथमिक क्रियाएँ- अवधारणा एवं बदलती प्रवृत्तियाँ, संग्रहण (ढंजीमतपदह), पशुचारण (ढंजवबंस), खनन, निर्वाद कृषि, आधुनिक कृषि, कृषि तथा संबंधित क्रियाओं में संलग्न लोग – चयनित कुछ देशों के उदाहरण।

(पप) द्वितीयक क्रियाएँ- अवधारणा, उत्पादन, प्रकार- घरेलू लघुस्तर, वृहद स्तर, कृषि एवं खनिज आधारित उद्योग, द्वितीयक क्रियाओं में संलग्न लोग – कुछ देशों के उदाहरण।

(पपप) तृतीयक क्रियाएँ – अवधारणा, व्यापार, परिवहन एवं पर्यटन, सेवाएँ, तृतीयक क्रियाओं में संलग्न लोग- कुछ देशों के उदाहरण।

(पअ) चतुर्थक क्रियाएँ – अवधारणा, चतुर्थक क्रियाओं में संलग्न लोग – चुने हुए देशों से केस अध्ययन।

इकाई-5 –

मानव बस्तियाँ- ग्रामीण बस्तियाँ- प्रकार एवं वितरण नगरीय बस्तियाँ- प्रकार के वितरण एवं आर्थिक वर्गीकरण, विकासशील देशों में मानव बस्तियों की समस्याएँ।

यूनिट 1 से 5 में से मानचित्र कार्य पांच प्रश्न-

5 अंक

नोट- एक से पाँच यूनिट तक से सम्बन्धित भू-दृश्यों/राजनैतिक और भौतिक मानचित्र का दृश्यांकन-1/2 अंक सही उत्तर एवं 1/2 अंक सही स्थान हेतु निर्धारित हैं। दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र कार्य के स्थान पर 05 प्रश्न रखे जाय जो मानचित्र से संबंधित होंगे।

खण्ड 'ख'

भारत : लोग एवं अर्थव्यवस्था

35 अंक

इकाई-6 – जनसंख्या-: वितरण, घनत्व एवं वृद्धि, जनसंख्या का संघटन- भाषायी, धार्मिक, लिंग, जनसंख्या वृद्धि में ग्रामीण-शहरी एवं व्यावसायिक-क्षेत्रीय भिन्नताएँ।

- प्रवास – अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय-कारण एवं परिणाम।
- मानव विकास – चुने हुए संकेतक तथा क्षेत्रीय पैटर्न।
- जनसंख्या, पर्यावरण तथा विकास।

इकाई-7 – मानव बस्तियाँ-

- ग्रामीण बस्तियाँ – प्रकार एवं वितरण
- शहरी बस्तियाँ – प्रकार, वितरण तथा क्रियात्मक वर्गीकरण।

इकाई-8 – संसाधन एवं विकास-जल संसाधन – उपलब्धता तथा उपयोग – सिंचाई, घरेलू, औद्योगिक तथा अन्य उपयोग; जल की कमी तथा संरक्षण विधियाँ – रेन वाटर हारवेस्टिंग तथा वाटरशेड प्रबन्धन।

- खनिज तथा ऊर्जा संसाधन –धात्विक (लौह अयस्क), तॉबा बॉक्साइड, मैगनीज तथा अधात्विक (अभ्रक) खनिज, पारम्परिक (कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा जलविद्युत) तथा गैर पारम्परिक (सौर, वायु तथा बायोगैस) ऊर्जा स्रोत तथा उनका संरक्षण।
- भारत में नियोजन – लक्ष्य क्षेत्र नियोजन (केस अध्ययन) सतत् पोषणीय विकास का विचार (केस अध्ययन)।

इकाई-10– भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ।

- पर्यावणीय प्रदूषण; शहरी कूड़ा निस्तारण।
- शहरीकरण, ग्रामीण – शहरी प्रवास, झुगियों की समस्याएँ।
- भूमि अपक्षय

यूनिट 6 से 10 में से मानचित्र कार्य 5 प्रश्न।

5 अंक

नोट– छः से दस यूनिट तक से सम्बन्धित भू-दृश्यों/राजनैतिक और भौतिक मानचित्र का दृश्यांकन-1/2 अंक सही उत्तर एवं 1/2 अंक सही स्थान हेतु निर्धारित हैं। दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र कार्य के स्थान पर 05 प्रश्न रखे जाय जो मानचित्र से संबंधित होंगे।

खण्ड 'ग'

प्रयोगात्मक कार्य

30 अंक

आंकड़ों के स्रोत एवं संकलन (प्रोसेसिंग) तथा विषय आधारित (थीमैटिक) मानचित्रण।

- आंकड़ों के स्रोत तथा प्रकार– प्राथमिक, द्वितीय तथा अन्य स्रोत।
- आंकड़ों का प्रक्रमण एवं सारणीयन औसत माध्य की गणना; केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप, विचलन तथा सहसम्बन्ध।
- आंकड़ों का आलेखीय निरूपण(प्रस्तुतीकरण) – चित्रों का निर्माण; दण्ड आरेख, चक्र आरेख तथा फ्लोचार्ट, विषय आधारित (थीमैटिक) मानचित्र, बिन्दू निर्माण, कोरोप्लैथ तथा आइसोप्लैथ मानचित्र।
- आंकड़ों का प्रक्रमण तथा मानचित्रण में कम्प्यूटर का उपयोग।

कक्षा-12

प्रयोगात्मक अंक विभाजन

न्यूनतम अंक – 10

अधिकतम अंक– 30

बाह्य मूल्यांकन– 15 अंक

निर्धारित अंक–

- | | | |
|--|---|--------|
| 1. लिखित परीक्षा—6 प्रश्नों में से केवल 4 प्रश्न | — | 10 अंक |
| 2. मौखिक परीक्षा, अभ्यास पुस्तिका माडल/चार्ट | — | 05 अंक |

आन्तरिक मूल्यांकन — 15 अंक

- | | | |
|---|---|-----------|
| 1. माडल/चार्ट | — | 05 अंक |
| 2. प्रयोगात्मक अभ्यास पुस्तिका एवं मौखिकी | — | 05+05 अंक |

खण्डों का मूल्यांकन आन्तरिक व बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा।

भूगोल

कक्षा—12

प्रश्नों के प्रकार	कुल प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों का अंक	कुल अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न	08	01	08
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न	08	02	16
लघु उत्तरीय प्रश्न	06	04	24
दीर्घ लघु उत्तरीय प्रश्न	02	06	12
मानचित्र	02	05	10
05 अंक भारत के संदर्भ में 05 अंक विश्व के संदर्भ में			
	योग —		70

प्रयोगात्मक	—	30
लिखित	—	70
प्रयोगात्मक	—	30
कुल योग	—	100

विषय : नागरिक शास्त्र
कक्षा-12

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2020-21 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-
खण्ड 'क' समकालीन विश्व राजनीति

इकाई- II

(1) समकालीन विश्व में अमेरिकी वर्चस्व-

एक ध्रुवीयतावाद का विकास : अफगानिस्तान, प्रथम खाड़ी युद्ध, 9/11 पर प्रतिक्रिया, इराक आक्रमण।
आर्थिक एवं विचारधारा के क्षेत्र में अमेरिकी वर्चस्व एवं चुनौतियाँ। भारत-अमेरिका सम्बन्धों का पुनर्निर्धारण।

इकाई- III

(2) समकालीन विश्व में सुरक्षा-

सुरक्षा की पारम्परिक धारणा; निःशस्त्रीकरण की राजनीति। गैर-पारम्परिक या मानवीय सुरक्षा; वैश्विक गरीबी, स्वास्थ्य एवं शिक्षा। मानव अधिकार और पारगमन (पलायन) के मुद्दे।

इकाई- IV

(2) वैश्वीकरण- आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक घोषणा- पत्र। वैश्वीकरण विरोधी आन्दोलन। वैश्वीकरण के कार्यक्षेत्र के रूप में भारत और इसके विरुद्ध संघर्ष।

खण्ड 'ख' : स्वतन्त्र भारत में राजनीति

इकाई-V(2) एक दल के प्रभुत्व का दौर-

प्रथम तीन आम चुनाव; राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के प्रभुत्व की प्रकृति; राज्य स्तर पर असमान प्रभुत्व; कांग्रेस की गठबन्धीय प्रकृति। प्रमुख विपक्षी दल।

इकाई-VI (2) कांग्रेस कार्यप्रणाली की चुनौतियाँ-

नेहरू के बाद की राजनीतिक परिपाटी; गैर कांग्रेसवाद और 1967 का चुनावी विचलन; (पलट) कांग्रेस का विभाजन एवं पुनर्गठन; कांग्रेस की 1971 के चुनावों में विजय।
उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

विषय : नागरिक शास्त्र
कक्षा-12

केवल प्रश्न-पत्र

अधिकतम अंक : 100

समय : 3 घण्टे

खण्ड 'क'	समकालीन विश्व राजनीति	अंक
इकाई-एक- 1	शीत युद्ध का दौर	14
2	दो ध्रुवीयता का अंत	
इकाई-दो- 1	सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र	16
2	समकालीन दक्षिण एशिया	
इकाई-तीन- 1	अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	10
इकाई-चार- 1	पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन	10
	योग	50 अंक

खण्ड 'ख'	स्वतन्त्र भारत में राजनीति	
इकाई-पांच- 1	राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ	16
3	नियोजित विकास की राजनीति	
इकाई-छ:- 1	भारत का विदेश सम्बन्ध	18
3	लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट	
इकाई-सात- 1	जन आंदोलनों का उदय	16
2	क्षेत्रीय आकांक्षाएँ	
3	भारतीय राजनीति : नए बदलाव	
	योग	50 अंक

कक्षा-12

1. प्रश्नों के प्रकार

प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न	10	1	10
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न	10	2	20
लघु उत्तरीय प्रश्न	06	5	30
दीर्घ लघु उत्तरीय प्रश्न	04	6	24
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	02	8	16
	प्रश्नों की संख्या-32		योग - 100

2. प्रश्नों के उद्देश्यों पर बल

क्रमांक	प्रश्नों का प्रकार	अंक	अनुमानित प्रतिशत
1.	ज्ञानात्मक	40	40%
2.	बोधार्थक	40	40%
3.	अनुप्रयोगात्मक	20	20%
	योग-	100	100%

3. प्रश्नों की कठिनाई स्तर पर बल

क्रमांक	क्लिष्टता स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल	30	30%
2.	सामान्य	50	50%
3.	कठिन	20	20%
	योग-	100	100%

नागरिक शास्त्र पूर्णांक : 100 अंक
कक्षा-12

खण्ड 'क' : समकालीन विश्व राजनीति पूर्णांक : 50

इकाई- I

14अंक

(1) शीत युद्ध का दौर-

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् दो शक्ति गुटों का उदय; शीतयुद्ध की रणभूमि, द्विध्रुवीयता की चुनौतियाँ: गुटनिरपेक्ष आन्दोलन। नव-अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था; भारत और शीतयुद्ध।

(2) दो ध्रुवीयता का अंत-

विश्व राजनीति में नई सत्ताएँ : रूस, बाल्कन राज्य, केन्द्रीय एशियाई राज्य; उत्तर-साम्यवादी शासनकाल में लोकतान्त्रिक राजनीति और पूँजीवाद का प्रवेश। रूस एवं उत्तर-साम्यवादी राज्यों के साथ भारत के सम्बन्ध।

इकाई- II

16अंक

(2) सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र-

उत्तर-माओ युग में चीन का आर्थिक शक्ति के रूप में उदय; यूरोपीय संघ का निर्माण एवं विस्तार। आसियान, चीन के साथ भारत के बदलते सम्बन्ध।

(3) समकालीन दक्षिण एशिया (उत्तर शीत युद्ध युग में)-

पाकिस्तान और नेपाल का लोकतान्त्रिकरण। श्रीलंका का नस्लीय (प्रजातीय) संघर्ष; क्षेत्र पर आर्थिक वैश्वीकरण का प्रभाव। दक्षिण एशिया में संघर्ष एवं शांति के लिये प्रयास। भारत के पड़ोसी देशों के साथ सम्बन्ध।

इकाई- III

10अंक

(1) अन्तर्राष्ट्रीय संगठन-

संयुक्त राष्ट्र संघ का पुनर्गठन एवं भविष्य। पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की स्थिति। नये अन्तर्राष्ट्रीय कर्त्ताओं का उदय; नये अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठन, गैर सरकारी संगठन।

इकाई- IV

10अंक

(1) पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन-

पर्यावरणीय आन्दोलन और वैश्विक- पर्यावरणीय मानकों का मूल्यांकन। संसाधनों की भू-राजनीति (पारंपरिक एवं अन्य संसाधनों पर संघर्ष) मूलवासियों के अधिकार। वैश्विक पर्यावरणीय विचार में भारत का पक्ष।

खण्ड 'ख' : स्वतन्त्र भारत में राजनीति

50अंक

इकाई- V

16अंक

(1) राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ-

राष्ट्र-निर्माण में नेहरू का दृष्टिकोण; विभाजन की विरासत : शरणार्थियों के पुनर्वास की चुनौती, कश्मीर की समस्या; राज्यों का गठन एवं पुनर्गठन; भाषा पर राजनीतिक संघर्ष।

(3) नियोजित विकास की राजनीति—

पंचवर्षीय योजनायें, राज्य-क्षेत्र का विस्तार एवं नये आर्थिक हितों का उदय, पंचवर्षीय योजनाओं की कमियाँ एवं विलम्ब के कारण; हरित क्रांति एवं उसके बाद के बदलाव।

इकाई— VI

18 अंक

(1) भारत का विदेश सम्बन्ध—

नेहरू की विदेश नीति; भारत-चीन युद्ध 1962; भारत-पाक युद्ध 1965 एवं 1971; भारत का परमाणु कार्यक्रम; विश्व राजनीति में बदलते सम्बन्ध।

(2) लोकतांत्रिक व्यवस्था के संकट—

गुजरात का नवनिर्माण आन्दोलन एवं बिहार का आन्दोलन; न्याय पालिका से संघर्ष, आपातकाल : प्रकरण (प्रसंग); संवैधानिक एवं संविधानेत्तर आयाम (पहलू); आपातकाल का विरोध। 1977 के चुनाव और जनता पार्टी का उदय (उत्पत्ति)।

इकाई—VII

16अंक

(1) जन आन्दोलनों का उदय—(भारत के लोकप्रिय आन्दोलन)

किसान आन्दोलन; महिला आन्दोलन; पर्यावरण और विकास प्रभावित जन आन्दोलन।

(2) क्षेत्रीय आकांक्षाएँ एवं अर्न्तद्वन्द—

क्षेत्रीय दलों का उदय; पंजाब संकट एवं 1984 के सिक्ख विरोधी दंगे। कश्मीर की स्थिति, पूर्वोत्तर में चुनौतियाँ एवं प्रतिक्रियाएँ।

(3) भारतीय राजनीति में नये बदलाव—

1990 में भागीदारी की लहर। जनता दल एवं भारतीय जनता पार्टी का उदय; क्षेत्रीय दलों की बढ़ी भूमिका और गठबंधन की राजनीति : राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठनबंधन (NDA) (1998–2004), संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन(UPA)(2004–2014), राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) (2014 से अब तक)। मण्डल आयोग की रिपोर्ट लागू करना, साम्प्रदायिकता, धर्म निरपेक्षता और लोक तन्त्र।

कक्षा-12 अर्थशास्त्र

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2020-21 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

खण्ड-क : परिचयात्मक सूक्ष्म अर्थशास्त्र (Micro Economics)

क्या, कैसे और किसके लिये उत्पादन किया जाय। उत्पादन की अवधारणा, उत्पादन संभावना फ्रंटियर एवं अवसर लागत।

उपभोक्ता संतुलन- उपयोगिता का अर्थ, सीमांत उपयोगिता, सीमांत उपयोगिता क्षीणता का नियम, सीमांत उपयोगिता विश्लेषण द्वारा उपभोक्ता संतुलन संबंधी स्थितियाँ।

उत्पादनकर्ता का संतुलन- अर्थ एवं सीमांत राजस्व एवं सीमांत लागत के क्रम उसकी स्थितियाँ। आपूर्ति, बाजार आपूर्ति, आपूर्ति के निर्धारक, आपूर्ति सारणी, आपूर्ति वक्र एवं उसकी ढलान, आपूर्ति वक्र में गतिविधियाँ एवं आपूर्ति वक्र का खिसकना। आपूर्ति लोच की कीमत, आपूर्ति लोच की कीमत का मापन, प्रतिशत-परिवर्तन प्रणाली।

बाजार के अन्य प्रकार- एकाधिकार बाजार, एकाधिकार प्रतिस्पर्धा, अल्पाधिकार बाजार अर्थ एवं विशेषतायें

खण्ड-ख : परिचयात्मक वृहत अर्थशास्त्र (Macro Economics)2-

मुद्रा एवं बैंकिंग-मुद्रा की मांग और आपूर्ति की तरलता पर बैंक द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार नियंत्रण। नकद आरक्षित अनुपात, साविधिक चल निधि अनुपात, रेपो रेट, रिवर्स रेपो रेट, खुली बाजार गतिविधियाँ। निवेशक द्वारा अपनी नकदी के प्रति दी जाने वाली न्यूनतम प्रतिभूति।

शासकीय घाटों के प्रकार- राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा, एवं प्राथमिक घाटा एवं उनका अर्थ। मुक्त बाजार में विनिमय दरों के निर्धारक।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

कक्षा-12 अर्थशास्त्र केवल प्रश्नपत्र -पूर्णांक - 100 सांख्यिकी :

खण्ड-क : परिचयात्मक सूक्ष्म अर्थशास्त्र (Micro Economics)

1-	परिचय	4 अंक
2-	उपभोक्ता संतुलन एवं मांग	18 अंक
3-	उत्पादनकर्ता का व्यवहार एवं आपूर्ति	18 अंक
4-	बाजारों के प्रकार एवं साधारण युक्तियों के साथ आदर्श प्रतिस्पर्धा की स्थिति में मूल्य निर्धारण	10 अंक

खण्ड-ख : परिचयात्मक वृहत अर्थशास्त्र (Macro Economics)

1-	राष्ट्रीय आय एवं पूर्ण योग	12 अंक
2-	मुद्रा एवं बैंकिंग	8 अंक
3-	आय एवं रोजगार का निर्धारण	14 अंक
4-	सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था	8 अंक
5-	भुगतान संतुलन	8 अंक

खण्ड—क : परिचयात्मक सूक्ष्म अर्थशास्त्र

1— परिचय— सूक्ष्म एवं वृहत अर्थशास्त्र— अर्थ, सकारात्मक अर्थशास्त्र एवं नियामक अर्थशास्त्र। 4अंक
अर्थव्यवस्था क्या है? अर्थशास्त्र की केन्द्रीय समस्याएँ।

2—उपभोक्ता संतुलन एवं मांग

18 अंक

उपभोक्ता संतुलन का तटस्थता वक्र द्वारा विश्लेषण —

उपभोक्ता का बजट — (बजट सेट एवं बजट लाइन) उपभोक्ता की प्राथमिकताएँ (तटस्थता वक्र एवं उदासीनता मानचित्र) एवं उपभोक्ता संतुलन की स्थितियाँ।

मांग, बाजार मांग, मांग के निर्धारक, मांग अनुसूची, मांग वक्र एवं उसकी ढलान, मांग वक्र में गतिविधियाँ एवं मांग वक्र का खिसकना, मांग लोच की कीमत— मांग लोच की कीमत को प्रभावित करने वाले कारक, मांग लोच की कीमत का मापन, प्रतिशत—परिवर्तन प्रणाली।

इकाई—3 उत्पादनकर्ता का व्यवहार एवं आपूर्ति

18 अंक

उत्पादन परिभाषा— अर्थ, अंशकालिक एवं दीर्घकालिक कुल उत्पाद, औसत उत्पाद, सीमांत उत्पाद।

लागत— अंशकालिक लागत, कुल लागत, कुल निर्धारित लागत, कुल परिवर्तनशील लागत, औसत लागत, औसत निर्धारित लागत, औसत परिवर्तनशील लागत एवं सीमांत लागत— अर्थ एवं उनके संबंध।

राजस्व — कुल, औसत एवं सीमांत राजस्व— अर्थ एवं उनके संबंध।

इकाई—4 बाजारों के प्रकार एवं साधारण युक्तियों के साथ आदर्श प्रतिस्पर्धा की स्थिति में मूल्य निर्धारण

10 अंक

आदर्श प्रतिस्पर्धा— विशेषताएँ, बाजार संतुलन के निर्धारक एवं उनके खिसकने की मांग एवं आपूर्ति पर असर।

मांग एवं आपूर्ति के साधारण प्रयोग— मूल्य नियंत्रण, न्यूनतम मूल्य आधार

खण्ड—ख परिचयात्मक वृहद् अर्थशास्त्र**इकाई—5 राष्ट्रीय आय एवं संबंधित आंकड़े**

12 अंक

कुछ आधारभूत संकल्पनाएँ— उपभोग में आने वाली वस्तुएँ, पूंजीगत माल, अंतिम माल।

मध्यवर्ती माल, स्टॉक एवं प्रवाह, आधारभूत निवेश एवं मूल्य ह्रास।

आय का परिपत्र प्रवाह (दो क्षेत्र मॉडल) राष्ट्रीय आय की गणना करने की विधियाँ— उत्पादन गणना विधि, आय गणना विधि, उपयोग बचत विधि या व्यय विधि।

राष्ट्रीय आय से संबंधित आंकड़े—

बाजार भाव पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद, शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद, सकल घरेलू उत्पादन एवं शुद्ध घरेलू उत्पाद। कारक लागत पर वास्तविक एवं न्यूनतम सकल घरेलू उत्पाद।

सकल घरेलू उत्पाद एवं कल्याण।

इकाई—6 मुद्रा एवं बैंकिंग—

8 अंक

मुद्रा— परिभाषा एवं मुद्रा की आपूर्ति। जनसाधारण के आधिपत्य में मुद्रा एवं वाणिज्यिक बैंकों द्वारा शुद्ध मांग के अनुरूप धारित कुल जमा राशि।

वाणिज्यिक बैंकिंग प्रणाली द्वारा मुद्रा का सृजन।

केन्द्रीय बैंक एवं उसके कार्य। (भारतीय रिजर्व बैंक का उदाहरण) मुद्रा जारी करने वाला बैंक, राजकीय बैंक, सामुदायिक बैंकों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने वाले बैंक।

इकाई—7 आय एवं रोजगार का निर्धारण—

14 अंक

कुल तैयार उत्पाद एवं सेवाएँ एवं उसके अवयव।

उपभोग की ओर झुकाव एवं बचत की ओर झुकाव (औसत एवं सीमित)
 अल्पाकालिक कुल उत्पादन एवं कुल आपूर्ति संतुलन।
 पूर्णकालिक रोजगार का अर्थ एवं अनैच्छिक रोजगार।
 अत्यधिक मांग एवं न्यून मांग की समस्यायें एवं इन्हें सुधारने के उपाय। होने वाले शासकीय व्यय में परिवर्तन। कर एवं मुद्रा आपूर्ति।

इकाई—8 सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था—

8 अंक

सरकारी बजट— अर्थ, उद्देश्य एवं उसके अवयव।
 प्राप्तियों का वर्गीकरण— राजस्व प्राप्तियाँ एवं पूंजीगत प्राप्तियाँ। व्यय का वर्गीकरण— राजस्व व्यय एवं पूंजीगत व्यय।

इकाई—9 भुगतान संतुलन—

9 अंक

भुगतान संतुलन खाता— अर्थ एवं उसके अवयव, भुगतान संतुलन। घाटा—अर्थ।
 विदेशी मुद्रा विनिमय— स्थिर एवं लचीली दरों का अर्थ एवं कामयाब चल।